

PAPER-III
DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
(Name) _____
2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

D 3 3 1 1

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

DOGRI

डोगरी

PAPER – III

पेपर – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : एह पेपर **दो सौ (200)** नंबरों दा ऐ ते इस च **चार (4)** सैक्शनां न । परीक्षार्थी इ'नें सैक्शनें च दित्ते गेदे सुआलें दे जवाब हर सैक्शन च दित्ती गेदियें हिदायतें दे अनुसार देन ।

SECTION – I

सैक्शन – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस सैक्शन च **बीहें-बीहें** (20) नंबरें दे **दो (2)** लम्मे जवाबें आहले सुआल न, जिं'दा जवाब लगभग **पंज-पंज सौ (500)** शब्दें च देना ऐ । **(2 × 20 = 40 नंबर)**

1. डोगरी विशेशनें च कु'नें-कु'नें व्याकरणिक कोटियें आस्तै रूपायन होंदा ऐ ? इस गल्ला दा परता दिंदे होई इं'दी रूप-रचना दा उदाहरणों समेत ब्योरा देओ ।

जां (OR)

डोगरी शायरी च मुखरत प्रगतिवादी रुझान दी रोशनी च कु'नें द'ऊं शायरें दी शायरी दा जायज़ा पेश करो ।

SECTION – II
सैक्शन – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस सैक्शन च **पंदरां-पंदरां (15)** नंबरें दे त्रै (3) सुआल न । हर सुआला दा परता लगभग त्रै सौ (300) शब्दें च देना ऐ । **(3 × 15 = 45 नंबर)**

3. भाशा-विज्ञान दी शाखा – ‘ध्वनिविज्ञान’ दा परिचे दिंदे होई डोगरी च ध्वनि-विज्ञान दे खेतरा च होए दे कम्में दी तफसीली जानकारी देओ ।
4. डोगरी च पत्रकारिता दी स्थिति उप्पर रोशनी पांदे होई कु’नें द’ऊं पत्रिकाएं दे विकास ते उं’दी मौजूदा स्थिति दी चर्चा करो ।
5. डोगरी गद्य दे बक्ख-बक्ख रूपें दा परिचे देओ ते उं’दे चा कुसै इक रूप दे विकास बारै विस्तार च चर्चा करो ।

SECTION - III
सैक्शन - III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस सैक्शन च **दस्सें-दस्सें** (10-10) नंबरें दे **नौ (9)** सुआल न । हर सुआला दा जवाब लगभग **पंजाह (50)** शब्दें च देना ऐ । **(9 × 10 = 90 नंबर)**

6. प्रश्नवाचक सर्वनामों च कारक-रूपायन दी व्यवस्था दा परिचे देओ ।

7. प्राचीन काल थमां बीहमी सदी दे खीरा तगर डोगरी भाशा पर होए दे भाशा-विज्ञानक अध्ययन दा ब्यौरा देओ ।

8. केहरि सिंह 'मधुकर' हुंदिये कविताएं च प्रगतिवाद दे इलावा दार्शनिकता दा रुझान बी अपनी टकोहद रखदा ऐ । उं'दिये कविताएं चा उदाहरण देइयै उं'दी कविता च दार्शनिकता दी नशानदेही करो.

9. 'ललित मगोत्रा हुंदिये कहानिये च विशे-वस्तु दी विविधता लमदी ऐ ।' उं दी कहानिये दे हवाले देइये इस कथन बारे अपनी राऽ लिखो ।

10. अज़ादी थमां पैहले दे डोगरी गद्य-साहित्य पर नोट लिखो ।

11. नरसिंह देव जम्वाल हुंदे नाटक-साहित्य दा ब्यौरा देओ ।

12. आदर्शवाद दे लक्षणें दा परिचे दिंदे होई डोगरी दियें कु'नें द'ऊं आदर्शवादी रचनाएं दे नांऽ लिखो ।

13. लोक-कला ते आधुनिक कला दा अंतर-भेद स्पष्ट करो ।

SECTION – IV
सैक्शन – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस सैक्शन च हेठ दित्ते दे पैहरे पर अधारत **पंज (5)** सुआल दित्ते गेदे न । हर सुआला दा जवाब लगभग **त्रीहें (30)** शब्दें च देना ऐ । हर सुआला दे **पंज (5)** नंबर न ।

(5 × 5 = 25 नंबर)

महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी जी दा समूलचा जीवन संघर्षो च बीतेआ । पर, उ'नें कर्दे बी अपने सुख दी चिंता नेई कीती । ओहू म्हेशां कमजोर ते गरीब लोकें दे पक्ख च ते उंदे सम्मान आस्तै लड़दे रेह । डॉ. रामविलास शर्मा होरें उंदे बारे च लिखे दा ऐ जे निराला जी आंगर मस्त-मौला इन्सान कोई गै होना ऐ । बचपन च उ'नेंगी फुटबॉल खेदने दा शौक हा । स्याने होने उधर बी जदूं कर्दे लखनऊ च कोई फुटबॉल दा ढंगा दा मैच होंदा तां ओहू जरूर दिक्खन जंदे हे । बच्चें गी फील्ड च खेददे दिखदे तां किक्क मारने लेई आपूं बी पुज्जी जंदे । कुतै दंगल होऐ तां निराला जी टिकट खरीदियै कुशती दिखदे हे । जदूं कर्दे गाने दा मन करदा तां हार्मोनियम लेइयै गान बेहीजंदे । हार्मोनियम नेई मिले तां इ'यां गै गांदे हे । कर्दे घूमन निकलदे ते बरखा ब'रन लगी पवै तां कुरता तुआरियै मूढे उधर बाही लेंदे । सिजदे-झूमदे चली पोंदे । लोक तमाशा दिखदे जे एह छे-फुट्टा, लम्मा-तगड़ा माहनू कु'न ऐ ? जिसदे लम्मे बालें चा पानी चौआ करदा ऐ ते जेहड़ा बरखा दी बी परवाहू नेई करा करदा । कर्दे बाल बधाई लेंदे कर्दे गरमी लगदी तां सिर मनाई ओड़दे । कर्दे रातीं नींदर नेई आवै तां दो बजे तगर छत्ते पर टैहलदे रोंहदे । कर्दे लिखन बोंहदे तां लिखदे-लिखदे बडले थमां दपैहर करी ओड़दे ते जे कर गप्पें बोंहदे तां लिखने-पढ़ने दा ध्यान गै नेई रोंहदा ।

इक बारी निराला जी दे घरै गी साफ करने आहली बुड्ढी जनानी ने उ'नेंगी आखेआ, “पंत जी, हून मिगी साफ-साफ लभदा बी नेई ऐ ।” निराला जी ने झट अपनी ऐनक तुआरियै उसी दिंदे होई गलाया, “लैओ मां जी, अस तुसेंगी अपनियां अक्खां दिन्नेआं ।” निराला जी सच्चें-मुच्चें विद्या ते कला दी देवी सरस्वती दे पुत्तर हे । ओहू आखदे हे जे सरस्वती दा जन्मदिन बसैंत-पंचमी ऐ । इक साहित्यकार दा बी उ'ऐ जन्मदिन होना चाहिदा ऐ । इस्से करी, निराला जी दा जन्मदिन हर ब'रै बसैंत-पंचमी गी मनाया जंदा ऐ ।

15. निराला जी दा समूलचा जीवन किस चाल्ली दे संघर्शे च बीतेआ ?

16. डॉ. राम विलास शर्मा होर निराला जी दे व्यक्तित्व बारे केह लिखदे न ?

19. बसैंत-पंचमी बारे निराला जी दे केह् विचार हे ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date